स्टार्टअप इंडिया इनोवेशन वीक

प्रलिम्सि के लयि:

राष्ट्रीय स्टार्टअप दविस, राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार 2022, SISFS, NIDHI, स्टार्टअप इकोसस्टिम (RSSSE) के समर्थन पर राज्यों की रैंकगि।

मेन्स के लयि:

भारत में स्टार्टअप पारस्थितिकी तंत्र वकिास के चालक, स्टार्टअप पारस्थितिकी तंत्र से जुड़ी समस्याएँ, स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के लयि सरकार की पहल।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **राष्ट्रीय स्टार्टअप दविस** (16 जनवरी) **के अवसर पर स्टार्टअप इंडिया इनोवेशन वीक का समापन नेशनल स्टार्टअप अवार्ड्स 2022 के साथ** हुआ।

- **वाणजि्य और उद्योग मंत्रालय** द्वारा राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार 2022 उन **स्टार्टअप और समर्थकों** को प्रदान कयि गए हैं जन्हिोंने भारत के वकिास में क्रांति लाने हेतु महत्त्वपूर्ण भूमकि निभाई है।
- स्टार्टअप इंडिया ने **"चैंपयिनगि द बलियिन डॉलर ड्रीम"** वषिय पर उद्योग केंद्रति वेबनिार का आयोजन कयि।

भारत में स्टार्टअप्स की स्थति:

- **परचिय:**
  - भारत, स्टार्टअप पारतिंत्र में संयुक्त राज्य अमेरकिा और चीन के बाद तीसरे स्थान पर है।
  - बैन एंड कंपनी द्वारा प्रकाशति **इंडिया वेंचर कैपटिल रपिोर्ट 2021** के अनुसार, **संचयी स्टार्टअप्स की संख्या वर्ष 2012 से 17% की चक्रवृद्धि वार्षकि वकिास दर (CAGR)** से बढ़ी है।
- **वकिास का चालक:**
  - **बड़ा घरेलू बाज़ार:** भारत में **प्रौद्योगकिी आधारति उत्पादों** और सेवाओं के लयि एक बड़ा घरेलू बाज़ार है, जो स्टार्टअप को अपने उत्पादों एवं सेवाओं को बेचने के लयि एक तैयार बाज़ार प्रदान करता है।
  - **सरकारी सहायता:** भारत सरकार सक्रयि रूप से '**आत्मनरि्भर भारत**' और '**डजिटिल इंडिया**' जैसी पहलों के माध्यम से उद्यमति को बढ़ावा दे रही है, जो स्टार्टअप कंपनियों को सहायता प्रदान कर रही हैं।
  - **प्रौद्योगकिी तक पहुँच: प्रौद्योगकिी और इंटरनेट में प्रगति** ने स्टार्टअप्स को तेज़ी से आगे बढ़ने में सक्षम बनाया है, यही कारण है कि पारस्थितिकी तंत्र में कई यूनकिॉर्न का उदय हुआ है।
  - **राइज़गि स्टार्टअप हब:** भारत में प्रमुख **स्टार्टअप हब बंगलूरू, मुंबई और दल्लिी-NCR हैं, जो स्टार्टअप्स के बढ़ने एवं वकिास** के लयि अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं।
    - वशिष रूप से बंगलूरू शहर में स्थति बड़ी संख्या में प्रौद्योगकिी कंपनियों के कारण इसे '**भारत की सलिकिॉन वैली**' घोषति कयि गया है।
- **स्टार्टअप पारस्थितिकि तंत्र से संबंधति समस्याएँ:**
  - **सख्त नयिामक वातावरण: बाज़ार के कानून और नयिम हमेशा स्टार्टअप्स की ज़रूरतों के अनुरूप नहीं होते हैं,** जसिसे उनका पालन करना मुश्कलि हो सकता है। यह स्टार्टअप्स कंपनियों पर गंभीर दबाव डाल सकता है।
  - **सीमति बुनयिादी ढाँचा और लॉजस्टिकि्स:** उचति बुनयिादी ढाँचे और लॉजस्टिकि्स की कमी स्टार्टअप्स खासकर **ई-कॉमर्स** क्षेत्र में काम करने वालों के लयि बड़ी चुनौती हो सकती है।
    - अपर्याप्त **परविहन, वेयरहाउसगि और लॉजस्टिकि्स इंफ्रास्ट्रक्चर स्टार्टअप्स** के लयि ग्राहकों तक पहुँचना और उनके उत्पादों को समय पर डलिीवर करना मुश्कलि बना सकता है।
  - **मेंटरशपि और गाइडेंस की कमी:** स्टार्टअप्स में अक्सर अनुभवी मेंटर्स और गाइडेंस की कमी होती है, जसिसे उनके लयि **बज़िनेस लैंडस्केप को नेवगिेट करना तथा नरि्णय लेना मुश्कलि हो सकता है।**
- **स्टार्टअप परतिंत्र के प्रोत्साहन के लयि हालयिा सरकारी पहल:**

- **स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (SISFS):** यह योजना स्टार्टअप्स को उनके वैचारिक धारणाओं को साबित करने, प्रोटोटाइप विकसित करने, उत्पादों का परीक्षण और बाज़ार तक पहुँच बनाने में मदद के लिये वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- **नवाचारों के विकास और दोहन के लिये राष्ट्रीय पहल (National Initiative for Developing and Harnessing Innovations- NIDHI):** यह स्टार्टअप्स के लिये एक एंड-टू-एंड (End to End) योजना है जिसका लक्ष्य पाँच वर्ष की अवधि में इनक्यूबेटरों और स्टार्टअप्स की संख्या को दोगुना करना है।
- **स्टार्टअप पारितंत्र के समर्थन स्तर पर राज्यों की रैंकिंग (Ranking of States on Support to Startup Ecosystems- RSSSE):** वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग संवर्द्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) वर्ष 2018 से राज्यों द्वारा स्टार्टअप पारितंत्र को दिये जा रहे समर्थन के आधार पर उनको रैंकिंग प्रदान कर रहा है।

आगे की राह

- **नवाचार को प्रोत्साहन:** सरकार और निजी क्षेत्र को अनुसंधान एवं विकास के लिये धन तथा अन्य प्रकार का सहयोग प्रदान कर नवाचार को प्रोत्साहित करना चाहिये।
  - इसके अंतरगत **शोध एवं विकास केंद्र** स्थापित करना, इसमें निवेश करने वाली कंपनियों को कर संबंधी प्रोत्साहन प्रदान करना और **स्टार्टअप को विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान संस्थानों से जोड़ना शामिल हो सकता है।**

स्कूल-उद्यमिता गलियारा: राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 उद्योगों के साथ **साझेदारी कर व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करके और स्कूल स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देकर छात्र उद्यमियों** को प्रोत्साहित करती है।

यदि उद्यमशीलता कौशल को शिक्षा पाठ्यक्रम के साथ एकीकृत किया जाए तो यह भारत में स्टार्टअप परितंत्र पर अनुकूल प्रभाव डाल सकता है।

स्टार्टअप्स की सामाजिक स्वीकार्यता: भारत के विभिन्न यूनिकॉर्न्स के साथ मिलकर सरकार को **उद्यमी कॅरियर** के **सामाजिक स्वीकृति की दिशा में काम करने** और सुलभता से कॅरियर चुनने के लिये युवाओं को सही दिशा प्रदान करने की आवश्यकता है।

वोकल फॉर लोकल, लोकल टू ग्लोबल: भारतीय स्टार्टअप्स में न केवल भारतीय पारंपरिक समस्याओं के समाधान की क्षमता है, बल्कि विदेशी बाज़ारों के लिये ये अनुकूलित समाधान भी प्रदान करते हैं।

भारत को एक उद्यमशीलता और निर्यात केंद्र बनाने हेतु **आत्मनिर्भर भारत पहल** से जुड़े राज्यों में भी विशेष स्टार्टअप ज़ोन शुरू किये जा सकते हैं।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, पिछले वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. उद्यम पूंजी का क्या अर्थ है? (2014)

(a) उद्योगों को प्रदान की गई एक अल्पकालिक पूंजी

(b) नए उद्यमियों को प्रदान की गई दीर्घकालिक स्टार्टअप पूंजी

(c) घाटे के समय में उद्योगों को दिया जाने वाला धन

(d) उद्योगों के प्रतिस्थापन और नवीकरण के लिये प्रदान किया गया धन

उत्तर : (b)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/startup-india-innovation-week